सत्यमेव जयते
भारत सरकार

भारतीय डाक
डाक सेवा-जन सेवा
India Post
Dak Sewa-Jan Sewa

ढाई आखर
राष्ट्रीय स्तर की
पत्र लेखन प्रतियोगिता
2026-27

<u>'ढाई आखर' राष्ट्रीय स्तर की पत्र-लेखन प्रतियोगिता के लिए मानक प्रचालन प्रक्रिया</u>

1. उद्देश्य

'ढाई आखर' एक राष्ट्रीय स्तर की पहल है, जिसका उद्देश्य युवाओं में रचनात्मकता, मौलिकता और आत्म-अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करके उन्हें डाक और फिलैटली से पुनः परिचित कराना है। यह जनसामान्य के लिए उनके लेखन कौशल और प्रतिभा को प्रदर्शित करने का एक मंच भी है।

आज की तेज रफतार वाले डिजिटल युग में, कुछ समय का विराम और डिजिटल संसाधनों से दूरी आवश्यक है। विभिन्न अध्ययनों से ज्ञात हुआ है कि हस्तलेखन एक बुनियादी कौशल है, जो विद्यार्थियों के पाठन, लेखन, भाषा कौशल और आलोचनात्मक सोच को आकार देता है और मस्तिष्क के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अत: कक्षाओं में तकनीकी प्रयोगों के साथ-साथ बच्चों को हस्त-लेखन के लिए प्रोत्साहित करना महत्वपूर्ण है। साथ ही, यह अकादमिक विषयों में सफलता का प्रमुख आधार है। चूंकि आज अधिकतर संप्रेषण डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से किए जा रहे है, इसलिए पत्र-लेखन की चिरस्थायी कला धीरे-धीरे विलुप्त होती जा रही है। इसके बावजूद भी पत्रों का अपना अनूठा आकर्षण है, जिनमें पुरानी यादें, प्रेम भाव और एक व्यक्तिगत स्पर्श होता है, जिसका स्थान कोई भी टेक्स्ट मैसेज अथवा ई-मेल नहीं ले सकता।

ढाई आखर राष्ट्रीय स्तर का पत्र-लेखन अभियान, पत्र लेखन कला का उत्सव मात्र नहीं है। यह देश भर के लोगों को एक ऐसा मंच प्रदान करता है, जहां वे अपनी विचारधाराओं, भावनाओं और अवधारणाओं को पूरी ईमानदारी और प्रभावशाली रूप में साझा कर सकते हैं। यह अभियान अपने प्रतिभागियों में संवेदनशीलता को पोषित करता है और प्रतिभागियों में विवेचनात्मक विचारधारा संबंधी कौशल को सुदृढ़ बनाता है।

2. योजना का विवरण

'ढाई आखर', डाक विभाग द्वारा भारत के नागरिकों के लिए निर्धारित थीम/विषय पर आयोजित एक राष्ट्रीय स्तर की पत्र-लेखन प्रतियोगिता है। प्रतिभागी, निर्धारित विषय पर अपने विचार व्यक्त

करते हुए संबंधित मुख्य पोस्टमास्टर जनरल को संबोधित एक पत्र लिखेंगे। चयन किए जाने पर, विजेता को पहले सर्कल स्तर पर और तदोपरांत निदेशालय स्तर पर नकद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। साथ ही, यह युवा पीढ़ी को डाक विभाग की समृद्ध विरासत से पुनः परिचित कराने का एक अवसर भी प्रदान करता है।

3. सामान्य शर्तें

अवधि : ढाई आखर राष्ट्रीय स्तरीय पत्र-लेखन प्रतियोगिता का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है। इस वर्ष प्रतियोगिता की अवधि 1 अगस्त से 31 अक्टूबर 2026 (तीन माह) तक होगी। 31 अक्टूबर, 2026 के बाद प्रेषित किए गए पत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

विषय : प्रतियोगिता का थीम और विषय डाक विभाग द्वारा सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से निर्धारित किया गया है।

इस वर्ष 'ढाई आखर' का विषय "एक चिट्ठी धरती माँ के नाम : प्रकृति की रक्षा, मेरा वादा" है।

भाषा : पत्र अंग्रेजी या हिंदी या किसी भी स्थानीय भाषा में लिखा जा सकता है।

श्रेणी : प्रतियोगिता का आयोजन निम्नलिखित श्रेणियों में किया जाएगा:

(i) आयु वर्ग - 18 वर्ष तक :-

(क) अंतर्देशीय पत्र श्रेणी

(ख) लिफाफा श्रेणी

(ii) आयु वर्ग - 18 वर्ष से ऊपर :-

(क) अंतर्देशीय पत्र श्रेणी

(ख) लिफाफा श्रेणी

अनुमेय लेखन-सामग्री (स्टेशनरी)

इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए A-4 आकार के सादे कागज पर लिखे पत्र हेतु एम्बॉस्ड लिफाफे/अपेक्षित डाक-टिकट लगे लिफाफे तथा अंतर्देशीय पत्र (आईएलसी) का प्रयोग किया जा सकता है। यह पत्र, A-4 आकार के सादे कागज पर लिखा जा सकता है, जिसके लिए शब्दों की अधिकतम सीमा लिफाफा श्रेणी में 1000 शब्द तथा अंतर्देशीय पत्र (आईएलसी) श्रेणी के अधिकतम 500 शब्द होगी। पत्र हस्तलिखित होने चाहिए और किसी भी स्थिति में टाइप किया हुआ पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा।

हालांकि, संबंधित डिवीजन द्वारा विद्यालयों/संस्थानों/कॉलेजों से सीधे प्राप्त प्रविष्टियों को स्टांप लगाने संबंधी नियम में छूट प्रदान की जा सकती है।

4. पात्रता

भारत का कोई भी नागरिक इस प्रतियोगिता में भाग ले सकता है। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आयु की कोई अधिकतम अथवा न्यूनतम सीमा निर्धारित नहीं की गई है। भारत का कोई भी नागरिक, अपनी इच्छानुसार और आयु के आधार पर, संबंधित श्रेणी में भाग ले सकता है। प्रतिभागियों को अपनी आयु का प्रमाण-पत्र देना होगा, जिसमें यह लिखा होना चाहिए कि "मैं यह प्रमाणित करता/करती हूं कि 01/01/2026 को मेरी आयु 18 वर्ष से कम/अधिक है।" विजेता प्रविष्टियों के मामले में आयु तथा पहचान के अन्य प्रमाणों का सत्यापन संबंधित सर्कल द्वारा किया जाएगा और इस प्रक्रिया के बाद प्रत्येक श्रेणी के 3 सर्वश्रेष्ठ पत्रों को निदेशालय भेजा जाएगा।

5. चयन प्रक्रिया

प्रत्येक सर्कल द्वारा प्रत्येक श्रेणी के अंतर्गत 3 सर्वश्रेष्ठ पत्रों को चुना जाएगा और सर्कल स्तर पर इन प्रविष्टियों को पुरस्कृत किया जाएगा। सर्कल स्तर पर चुने गए प्रत्येक श्रेणी के 3 सर्वश्रेष्ठ

पत्रों (सभी 12 को) को निदेशालय भेजा जाएगा, जहां प्रत्येक श्रेणी के अंतिम 03 सर्वश्रेष्ठ पत्रों के चयन के लिए इनका राष्ट्रीय स्तर पर मूल्यांकन किया जाएगा।

सर्कल स्तर पर अभ्यर्थियों का चयन करने के लिए एक मूल्यांकन समिति गठित की जाएगी, जिसके अध्यक्ष सीपीएमजी होंगे। समिति के अन्य सदस्यों में संबंधित भाषा/साहित्य का कोई शिक्षाविद् या विद्वान/पत्रकारिता से जुड़ा कोई व्यक्ति शामिल होगा, जो किसी महाविद्यालय/विद्यालय के प्राध्यापक/शिक्षक अवश्य हो। गुणात्मक आधार पर चयन करते समय विद्वानों के सुझाव को सर्वोच्च महत्व दिया जाएगा। राष्ट्रीय स्तर पर प्रत्येक श्रेणी में अंतिम रूप से 03 सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टियों का मूल्यांकन करने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर एक चयन समिति निदेशालय स्तर गठित की जाएगी।

6. **पुरस्कार**

प्रत्येक श्रेणी के अंतर्गत सर्कल स्तर तथा राष्ट्रीय स्तर के पत्र विजेताओं को प्रदान की जाने वाली पुरस्कार राशि निम्नानुसार है :-

<u>सर्कल स्तर पर प्रत्येक श्रेणी के अंतर्गत विजेताओं को दी जाने वाले पुरस्कार राशि: (क)</u>

पुरस्कार की श्रेणी	**(पुरस्कार की राशि) x (श्रेणियों की संख्या) x (सर्कलों की संख्या)**	**कुल राशि**
प्रत्येक श्रेणी के अंतर्गत प्रथम पुरस्कार	25,000/- रु. x 4 x 23	23,00,000/- रु.
प्रत्येक श्रेणी के अंतर्गत द्वितीय पुरस्कार	10,000/- रु. x 4 x 23	9,20,000/- रु.
प्रत्येक श्रेणी के अंतर्गत तृतीय पुरस्कार	5,000/- रु. x 4 x 23	4,60,000/- रु.
कुल योग (छत्तीस लाख अस्सी हजार रुपये मात्र)		36,80,000/- रु.

उक्त प्रयोजन हेतु संबंधित वित्तीय वर्ष के बजट प्राक्कलन के तहत प्रत्येक सर्कल को फिलैटली के प्रमुख शीर्ष स्कॉलरशिप (खाता शीर्ष 3201.01.001.03.01.34) के अंतर्गत अपेक्षित निधियां आबंटित की जाती है।

<u>राष्ट्रीय स्तर पर प्रत्येक श्रेणी के अंतर्गत दी जाने वाली पुरस्कार राशि: (ख)</u>

पुरस्कार की श्रेणी	**(पुरस्कार की राशि) x (श्रेणियों की संख्या)**	**कुल राशि**
प्रत्येक श्रेणी के अंतर्गत प्रथम पुरस्कार	50,000/- रु. x 4	2,00,000/- रु.
प्रत्येक श्रेणी के अंतर्गत द्वितीय पुरस्कार	25,000/- रु. x 4	1,00,000/- रु.
प्रत्येक श्रेणी के अंतर्गत तृतीय पुरस्कार	10,000/- रु. x 4	40,000/- रु.
कुल योग (तीन लाख चालीस हजार रुपये मात्र)		3,40,000/- रु.

उक्त प्रयोजन हेतु फिलैटली के प्रमुख शीर्ष स्कॉलरशिप (खाता शीर्ष 3201.01.001.03.01.34) के तहत अपेक्षित निधियां फिलैटली डिविजन के पास उपलब्ध हैं।

7. प्रक्रिया

ढाई आखर पत्र-लेखन प्रतियोगिता के सफल कार्यान्वयन हेतु प्रत्येक डिविजन द्वारा निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुपालन किया जाएगा :

1. ऑन-ग्राउंड टीमों का प्रशिक्षण
2. लक्ष्यानुसार विद्यालयों और कॉलेजों तक पहुंच
3. विद्यालयों और डाकघरों में 'ढाई आखर' पत्र-पेटिओं की संस्थापना
4. संग्रहण और निर्णय

8. कार्यान्वयन की कार्यनीति

- समाचार-पत्रों में विज्ञापन, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सोशल मीडिया और अन्य मीडिया से उक्त अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा, जिसके अंतर्गत बैनर लगाना और स्थानीय स्तर पर पैम्फलेट का संवितरण करना शामिल है।
- *विद्यालयों और जनसाधारण तक प्रभावी पहुंच स्थापित करने के लिए सर्कल अपनी ऑन-ग्राउंड टीमों को ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रदान करेगा (संबंधित तिथियां सर्कलों द्वारा तय की जाएंगी)।*
- सभी सर्कल, उक्त योजना के बारे में विस्तार से सूचना प्रदान करने के लिए विद्यालयों से संपर्क करना/दौरा करना, कार्यशालाएं/सेमिनार आयोजित करना/प्रजेंटेशन देना आदि प्रयास करेंगे ताकि प्रतियोगिता में अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।
- *सोशल मीडिया सामग्री के रूप में प्रयोग हो सकने वाली गतिविधियों की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी करना सुनिश्चित करना।*
- सर्कल, राज्य सरकार के शिक्षा एवं विद्यालय बोर्ड और जिला प्रशासन आदि को भी पत्र के माध्यम से योजना की जानकारी देंगे और इसके प्रचार-प्रसार के लिए सहयोग की मांग करेंगे।
- जिन विद्यालयों के पास वेबसाइट/ऐप्लिकेशन है, उन्हें 'वेब पुश नोटिफिकेशन' के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।
- खाता खोलने संबंधी अभियानों/पीएलआई और आरपीएलआई मेलों/डाक चौपालों के आयोजन के दौरान प्रतियोगिता के बारे में जागरूक किया जाएगा।
- डाक कर्मचारियों को डिलिवरी (सुपुर्दगी) के दौरान वहां रहने वालों को प्रतियोगिता के बारे में सूचना प्रदान करने हेतु जागरूक किया जाएगा।
- प्रचार-प्रसार के लिए पीआरआई(पी)/पोस्टमैन के साथ-साथ मार्केटिंग टीम की सेवाएं ली जाएंगी।

- *सभी सर्कल, विद्यालयों/कॉलेजों में फोटो कॉर्नर बनाने के लिए लटकती हुई छोटी 'ढाई आखर' पत्र-पेटियों का निर्माण करवांएगे। इसके डिजाइन के बारे में पूर्व मे ही सूचित किया गया है। डिविजन के आकार को ध्यान में रखते हुए, प्रत्येक डिविजन में इनके 2-5 सेट तैयार किए जाएंगे। यह व्यवस्था एक विद्यालय/कॉलेज से दूसरे विद्यालय/कॉलेज तक लाई और ले जाई जाएगी।*
- इसके अतिरिक्त, सर्कल उक्त योजना के कार्यान्वयन हेतु स्थानीय स्तर की अपनी कार्यनीति का प्रयोग कर सकते हैं। ऐसी किसी भी कार्यनीति के बारे में निदेशालय को सूचित किया जाएगा ताकि इसे अन्य सभी सर्कलों के साथ साझा किया जा सके।
- डाकघरों की संख्या और पूर्ववती प्रदर्शन के आधार पर सर्कलों के लिए प्रविष्टियां प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया जाएगा।
- ढाई आखर पत्र-लेखन अभियान को सफल बनाने के लिए, सर्कलों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके सर्कलों में पर्याप्त स्टेशनरी (अंतर्देशीय पत्र और लिफाफे) उपलब्ध हों।
- सर्कल्स यह सुनिश्चित करेंगे कि पत्र-पेटियां अथवा डाकघरों में पोस्ट किया गया कोई भी पत्र ना छुटे। समय-सीमा का अनुपालन करने हेतु, यह सुनिश्चित किया जाए कि पत्र-पेटियां निर्धारित समय पर और बिना किसी विलंब के खोली/निस्तारित की जाएं।
- सहभागी विद्यालयों के समन्वय से ऐसे पत्रों के संवितरण की विशेष व्यवस्था की जाएगी।
- सर्कलों द्वारा निम्नलिखित कार्यक्रम के अनुसार विद्यालयों/कॉलेजों में पत्र-लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा :

क्रम	गतिविधि	विवरण	समय
1	व्यवस्था	• *एक विद्यालय में 6 दिनों की अवधि के लिए बैनर और एक छोटी पत्र-पेटियां लगाना।* • *साथ ही, विद्यालय/कॉलेज द्वारा प्रोजेक्टर लगाना और परिचय स्थल की व्यवस्था करना और तकनीकी जांच करना।*	30-60 मिनट
2	परिचय	शुरुआत में व्यक्तिगत परिचय देते हुए एक अच्छा माहौल तैयार करना और बालकों से जुड़ना।	5 मिनट
3	शॉर्ट वीडियो	बालकों में संदर्भ और रुचि बढ़ाने के लिए भारतीय डाक/फिलैटली की वेबसाइट पर वीडियो कैप्सूल्स/लघु फिल्में दिखाई जाएंगी। *वीडियो पहले से ही सर्कल्स के पास हैं।*	10-15 मिनट
4	प्रेजेन्टेशन	'ढाई आखर' के बारे में बताने से पहले बालकों को डाक विभाग के संक्षिप्त इतिहास, डाक एवं फिलैटली संबंधी प्रमुख अवधारणाओं और स्पर्श जैसी वर्तमान योजनाओं से परिचित कराया जाएगा। उक्त प्रेजेन्टेशन में हस्त-लेखन के महत्व पर भी प्रकाश डाला जाएगा। *पिछली प्रतियोगिताओं के दौरान दी गई प्रेजेन्टेशन को ज़रूरत पड़ने पर एडिट किया जा सकता है।*	10-15 मिनट
5	फिलैटली संबंधी प्रश्नोत्तरी	प्रश्नोत्तरी (क्विज़) का आयोजन किया जाएगा, जिसमें फिलैटली पर आधारित 5-10 प्रश्न होंगे, जिनमें उन प्रसिद्ध विभूतियों, विरासतों, स्थलों आदि को रेखांकित	15-20 मिनट

		किया जाएगा, जिन पर स्मारक डाक-टिकट/विशेष कवर जारी किए गए हैं। *पूर्व में उपलब्ध कराई गई प्रश्नावली (Question Deck) में सर्कल की आवश्यकताओं के अनुरूप आवश्यक संशोधन किए जा सकते हैं।* प्रश्नोत्तरी के विजेताओं को पुरस्कार (लगभग 50 से 100 रुपये तक) प्रदान किए जाएंगे। इस पर होने वाला व्यय सर्कलों के फिलैटली संबंधी संवर्धन मद से किया जा सकता है।	
6	ढाई आखर पत्र-लेखन	इसके बाद प्रमुख गतिविधि अर्थात् ढाई आखर पत्र-लेखन प्रतियोगिता शुरू होगी। विद्यार्थी, निदेशालय द्वारा निर्धारित विषय पर पत्र लिखेंगे।	40 मिनट
7	विषय के बारे में	बालकों को विषय से परिचित कराया जाएगा और विषय से संबंधित 'सहभागी मार्गदर्शिका' पर चर्चा की जाएगी, जिसे हम विद्यालयों के साथ साझा करेंगे।	10 मिनट
8	डाक्यूमेन्टैशन	उपरोक्त गतिविधियों की अच्छी गुणवत्ता वाली फोटोग्राफ्स/शार्ट वीडियो उसी दिन भारतीय डाक के सोशल मीडिया हैंडल्स के साथ साझा की जाएगी।	पूरे समय के दौरान
9	विद्यालयों में फिलैटली क्लब तथा फिलैटली	पत्र-लेखन के आयोजन के पश्चात्, विद्यालयों में फिलैटली जमा खाते/फिलैटली क्लब खोलने के संबंध प्रयास किए जाएंगे। स्कूल प्रशासन को सूचित किया जाना चाहिए कि फिलैटली क्लब किस प्रकार विद्यार्थियों की शिक्षा पर	30 मिनट

	जमा खाते खोलना	सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं और उन्हें विभिन्न महत्वपूर्ण व्यक्तित्वों और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान, डाक-टिकटों में दर्शाई गई भारत की समृद्ध कला एवं संस्कृति तथा समृद्ध विरासत के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराया जाना चाहिए।	

9. समय-सीमा

- ढाई आखर पत्र-लेखन प्रतियोगिता की शुरुआत **1 अगस्त 2026** से होगी।
- प्रविष्टियां जमा करने की अंतिम तिथि **31 अक्टूबर 2026** होगी।
- **31 अक्टूबर 2026** के बाद भेजे गए पत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

प्रत्येक सर्कल को **31 दिसंबर 2026** तक संबंधित राज्य/सर्कल स्तर के परिणाम घोषित करने की व्यवस्था करनी होगी।

सर्कल यह भी सुनिश्चित करेगा कि उक्त आयोजन की शुरुआत से लेकर आयोजन के समापन तक प्रत्येक माह की 30 तारीख तक निम्नलिखित प्रोफार्मा में एक मासिक रिपोर्ट निदेशालय को भेजी जाए।

माह	माह के दौरान पत्र-पेटियों से प्राप्त प्रविष्टियों की संख्या	प्रतिभागी विद्यालयों / कॉलेजों की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या	खोले गए फिलैटली क्लब	खोले गए फिलैटली जमा खाते	सोशल मीडिया पर अपलोड की गई गतिविधियां	टिप्पणी, यदि कोई हो

विजेता प्रविष्टियां (प्रत्येक सर्कल के लिए 12) **15 जनवरी 2027** तक निदेशालय भेजी जाएंगी।

सर्कलों द्वारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि स्थानीय भाषा (हिंदी/अंग्रेजी से इत्तर) में विजेता प्रविष्टियां, अंग्रेजी में अनुदित संस्करणों के साथ, उपरोक्त लक्षित तारीख के भीतर निदेशालय भेज दी जाएं।

सर्कलों से प्राप्त प्रविष्टियों का मूल्यांकन निदेशालय स्तर पर किया जाएगा और सर्वश्रेष्ठ 12 प्रविष्टियों (प्रत्येक 04 श्रेणियों में 03) को राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार के लिए चुना जाएगा।

10. अपेक्षित परिणाम

डाक और फिलैटली संचार के स्तंभ रहे हैं, परंतु हस्तलिखित संचार के महत्व के साथ-साथ इन्हें भी तेज़ी से भुलाया जा रहा है। 'ढाई आखर' का लेखन-कौशल और वैयक्तिक विकास पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ जनसाधारण को डाकघरों से जोड़ने का भी लक्ष्य है। देशभर में इस गतिविधि में सहभागिता से निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे :

- फिलैटली को व्यापक स्तर पर पहचान प्रदान करना और विद्यालयों एवं शैक्षिक पाठ्यक्रमों में फिलैटली को मुख्यधारा में लाना।
- अभिभावकों, शिक्षाविदों, बालकों और जनसाधारण में फिलैटली के बारे में जागरूकता पैदा करना।
- फिलैटली जमा खातों की संख्या में वृद्धि करना।
- फिलैटली के सभी स्टैकहोल्डरों, अर्थात् फिलैटलिस्ट, डाक विभाग, बालकों एवं युवाओं और संभावित डाक-टिकट संग्रहकर्ताओं में संबंध स्थापित करना।
- देशभर में बालकों/युवाओं के बीच फिलैटली के प्रचार-प्रसार हेतु फिलैटलिस्ट की विशेषज्ञता को शामिल करना/उपयोग करना।
- लिफाफों और डाक-टिकटों की बिक्री को राजस्व के एक स्रोत के रूप में स्थापित करना।

- प्रतियोगिता के विजेताओं को ब्रांड एंबेसडर बनाया जाएगा, जो अन्य लोगों को फिलैटली के प्रति प्रोत्साहित एवं रुचि विकसित करने हेतु प्रेरित करेंगे।